इसलिए भाईयों, धैर्य रखें, यहां तक कि प्रभु के आगमन तक।

याकूब 5:7-8

“इसलिए, भाईयों, धैर्य रखें, प्रभु के आने तक। देखो, किसान
भूमि की मूल्यवान फ़सल का इंतजार करता है; वह धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता है, जब तक कि उसे शुरुआती और अंतिम वर्षा न
मिल जाए।
8 आप भी धैर्य रखें और अपने हृदय को दृढ़ बनाएँ, क्योंकि
प्रभु का आगमन नज़दीक है।”

प्रश्न: क्यों प्रेरित ने प्रभु के प्रतीक्षा करने को किसान की फ़सल और वर्षा के धैर्य के साथ तुलना की?

वर्षा का पहला और अंतिम अर्थ क्या है?
पहली वर्षा को “बसंत वर्षा” कहा जाता है और अंतिम वर्षा को “शरद ऋतु वर्षा” कहते हैं। इस्राएल एक रेगिस्तानी देश है, यहाँ जमीन हमेशा उपजाऊ नहीं रहती, unlike हमारी उष्णकटिबंधीय भूमि जहां कहीं भी जमीन में जल आसानी से मिल जाता है। इसलिए किसान पूरी तरह वर्षा पर निर्भर रहते थे।

जब वर्षा शुरू होती थी, किसान खेतों की तैयारी करते, बीज बोते और उगाई की देखभाल करते। और जब वर्षा खत्म हो जाती, तो हल्की

इसलिए भाईयों, धैर्य रखें, यहां तक कि प्रभु के आगमन तक।

वर्षाएँ (शरद ऋतु वर्षा) भूमि को नमी प्रदान करतीं ताकि फ़सल अच्छी तरह पक सके।

याकूब यहाँ यह समझाते हैं कि प्रभु का प्रतीक्षा करना ऐसा है जैसे किसान धैर्यपूर्वक फ़सल की प्रतीक्षा करता है जब तक कि उसे पहली और अंतिम वर्षा नहीं मिल जाती। और जब वह फ़सल काट लेता है, उसकी मेहनत और परिश्रम का फल उसे मिल जाता है।

आध्यात्मिक अर्थ:
हमें भी प्रभु के लिए प्रतीक्षा करते हुए इसी तरह धैर्य रखना चाहिए। हमें पहली वर्षा, यानी पेंटेकोस्ट की घटना (लगभग 2000 साल पहले) मिली, जब कार्य शुरू हुआ। इसके बाद दूसरी वर्षा, यानी अंतिम वर्षा (आध्यात्मिक शरद वर्षा), 1906 में शुरू हुई। यह वह समय था जब परमेश्वर ने फिर से दुनिया को आध्यात्मिक उपहारों और करामातों से भर दिया।

इस समय से सारी आध्यात्मिक करामातें चर्च में लौटने लगीं। इसी अवधि में कई विश्वसनीय सेवक उठाए गए, जैसे विलियम सिमोर, विलियम मेरियन ब्रानहम, बिली ग्राहम, ओरल रॉबर्ट्स, टी. एल. ऑस्बॉर्न आदि।

इस समय सुसमाचार बड़े उत्साह से प्रचारित किया गया: “फसल का समय नज़दीक है! प्रभु अपने चर्च को लेने आ रहे हैं।”

इसलिए भाईयों, धैर्य रखें, यहां तक कि प्रभु के आगमन तक।

यह वही अंतिम वर्षा है, और यह समाप्त होने के क़रीब है। जब यह समाप्त हो जाएगी, तो कोई और वर्षा नहीं होगी।

भाईयों, यह अनुग्रह की वर्षा आपके दिल में भी पहुँच चुकी है। इसे अपनाएँ, प्रभु को अपने हृदय में स्वागत करें। अब यह समय है, जब मसीह के आने और फसल काटने का समय है।

शालोम।

कृपया इस सुसमाचार को दूसरों के साथ साझा करें। यदि आप चाहें कि हम यह शिक्षाएँ ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से भेजें, तो हमें सूचित करें। हमारी वेबसाइट www.wingulamashahidi.org पर और भी अधिक शिक्षाएँ उपलब्ध हैं।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp